निर्भय विचरण

“सीमा-हीन गगन में उड़ते,
निर्भय विचरण करते हैं”

कविता की इन पंक्तियों को पढ़िए और इन चित्रों को देखिए। इन चित्रों को देखकर आपके मन में क्या विचार आ रहे हैं? (चित्रों के लिए स्कैन करें)

(संकेत - जैसे इन चित्रों में कौन निर्भय विचरण कर रहा है?)